टिप्पणी

3
प्रकृति चित्रण

लक्ष्य

प्रकाश, छाया और रंगों के आधार पर परिवर्तनशील प्रकृति के सार–तत्व का यथार्थपरक चित्रण।

भूमिका

प्रकृति के चित्रण में मुख्यतया पेड़–पौधे, फूल, बेल–बूटे, पर्वत, नदियां, समुद्र, आदि शामिल हैं। प्रकृति का चित्रण करते समय हमें वस्तु–चित्रण और प्रकृति चित्रण में आधारभूत अंतर को समझना बहुत आवश्यक है। प्रकृति में सदा परिवर्तन होता रहता है और यह जीवन से परिपूर्ण है। इसलिये व्यक्ति के प्रत्यक्ष ज्ञान के अनुसार प्रकृति के सार–तत्व की पहचान और उसकी यथार्थपरक पकड़ बहुत जरूरी है। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम परिद श्य, संतुलन, संयोजन, समन्वय और रंगों को ध्यान में रखें जिनका प्रयोग किसी व्यक्ति के इच्छित चित्रण के मुताबिक होना है।

उद्देश्य

इस प्रयोगात्मक अभ्यास को पूरा करने के बाद, आपः

- मानव–निर्मित जड़–वस्तुओं और जीवन से भरपूर प्रकृति के बीच अंतर बता सकेंगे;
- स्वयं का प्रकृति और उसके चारों ओर के वातावरण से संबंध स्थापित कर पाएंगे;
- रंगों की बनावट और प्राकृतिक वस्तुओं के स्वरूपों की पहचान कर सकेंगे; और
- सही रंगों, परिद श्य और प्राकृतिक प्रकाश के साथ प्राकृतिक द श्य का चित्रण और उसकी पेंटिंग कर सकेंगे।

प्रकृति का अध्ययन करें। प्राकृतिक वस्तुओं जैसे फल–फूल, सब्जियां, बेल–बूटे और फलों के चित्रण से शुरूआत करें।

कदम I

अपने सामने दो सेब रखिए। उनकी बाह्य रेखा खींचिए।

चित्र सं. 1

कदम II

गाढे पोस्टर रंग से इनमें रंग भरें। कृमसन लाल, नींबू, पीले और हरे रंग का प्रयोग करें।

चित्र सं. 2

- आम सब्जियों जैसे गोभी, भिंडी आदि को चुनें और पेंसिल से उनका चित्रण करें (2बी या 4बी पेंसिल का प्रयोग करें)।

चित्र सं. 3

चित्र सं. 4

- शलगम सब्जी को चुनें। एचबी पेंसिल से इसका चित्रण करें और तब ब्रश सं. 8 से इस पर काला जल रंग प्रयोग करें।

चित्र सं. 5

- अब यहां पहाड़ी मिर्च जैसी कुछ सब्जियां लें। इन्हें ठीक ढंग से क्रमवार रखें। रंगीन पेंसिलों जैसे हल्का और तेज हरा रंग और हल्की पीली पेंसिलों का प्रयोग करें।

चित्र सं. 6

- विभिन्न माध्यमों में उसी संयोजन का चित्रण करें। इसके लिए पोस्टर रंग अच्छा चुनाव है (पोस्टर हरा, बसंती पीला और सफेद रंग प्रयोग किए जाते हैं)।

चित्र सं. 7

- विभिन्न प्रकार की सब्जियां जैसे लाल मिर्च, करेला, फूलगोभी, आदि चुनें। काली वाटरप्रूफ स्याही की पेन से उनकी बाह्य रेखा खींचें। तब रंगीन स्याही या जल–रंग का प्रयोग करें।

चित्र सं. 8

चित्र सं. 9

चित्र सं. 10

- स्वच्छ जल–रंग का अपने हाथ से अभ्यास करें। कुछ प्याजों को व्यवस्थित ढंग से रखें। एच बी पेंसिल से उनका खाका खींचें। काफी पानी मिलाते हुए किरमिजी (Crimson) और जली हुई गैरिक मिट्टी (Sienna) का प्रयोग करें। रंग की एक परत के प्रयोग तक ही सीमित रहें।

चित्र सं. 11

फूलों का एक गुच्छा लें। एचबी पेंसिल के साथ इन फूलों का अध्ययन करें।

फूल की रूपरेखा बनाएं।

कदम - 1

चित्र सं. 12

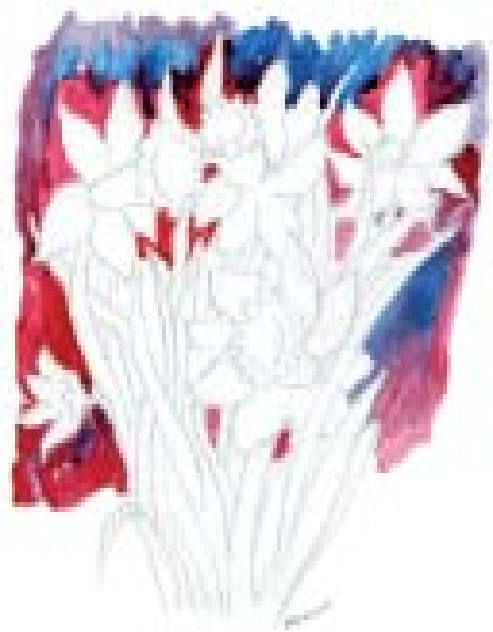

चित्र सं. 13

- अब फूलों को पेंट करें। फूलों के लिए बसंती पीला रंग और गैरिक पीला प्रयोग करें और फूल की शाखाओं के लिए गहरा हरा और हल्का हरा (सफेद और पीला नीबूं रंग मिलाते हुए) रंग प्रयोग करें।

कदम - III

चित्र सं. 15

- पार्श्वभाग/प ष्ठभूमि को विषम रंगों से पेंट करें और फूल को पीले रंगों से। इस पेंटिंग में प ष्ठभूमि लाल और नीले पोस्टर रंगों में है।

कदम - II

चित्र सं. 14

- फूलों को पारदर्शी जल–रंग में पेंट करें। अधिक विस्तार न दें। केवल फूल का स्वरूप दें।

- पेन और स्याही से किसी पौधे का चित्रण करें। एच बी पेंसिल से उसके संयोजन का ढांचा बनाइए और फिर पेन से उसे अंतिम रूप दें। ध्यान रहे कि जब आप पृष्ठभाग और अग्रभाग में पत्तियों को चित्रित करते हैं तो ये परस्पर एक दूसरे को न ढकें।

चित्र सं. 16

चित्र सं. 17

- आप फूलों और पौधों के संयोजन के लिए कैनवास पर तैलरंग का प्रयोग कर सकते हैं। आप चित्र की सुंदरता को बढ़ाने के लिए कुछ अन्य अनुकूल रंगों को मिला सकते हैं।

- पेड़ विभिन्न विशेषताओं वाले होते हैं। पेड़ प्राकृतिक दृश्यों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आप अपने स्केच में इन पेड़ों की बनावट, उनकी लयात्मकता और अन्य विशेषताओं को आबद्ध करने की कोशिश करें। आप पेन, पेंसिल, क्रेयन और पेस्टल का प्रयोग कर सकते हैं। यह रेखाच्छादन के साथ काले पेन से किया जाता है।

चित्र सं. 18

- स्वच्छ जल–रंगों के साथ पेड़ों का चित्रण करें। इसे बहुत साधारण बनाएं। विस्तार देने की कोशिश न करें। सीमित रंगों का प्रयोग करें। केवल नीले, नींबू और भूरे रंगों का प्रयोग इन चित्रों में किया जाता है।

चित्र सं. 19

- प्राकृतिक द श्य की पेंटिंग स्थान विशेष पर ही की जानी चाहिए। किसी स्थान को चुनें। यह आवश्यक नहीं है कि किसी स्थान को चुनने के लिए आप बहुत दूर जाएं। अपनी पसंद के अनुसार स्थान चुनें। समुद्र का किनारा बहुत आकर्षक और चित्रात्मक होता है। पेंसिल के साथ अपना स्केच बनाना शुरू करें। यहां आप एच बी और 2बी पेंसिलों को प्रयोग में लाएं।

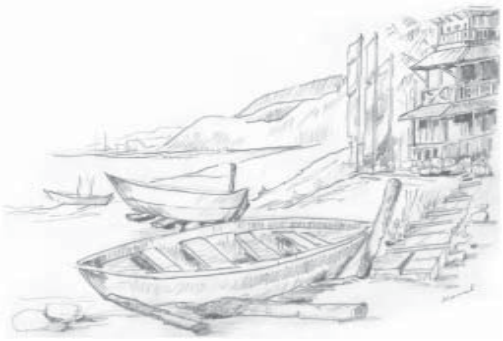

चित्र सं. 20

- एक्रीलिक रंग में आप कोशिश करें। तैलरंग के विपरीत यह जल्दी से सूखता है। आप तैल पेपर में फेविक्रिल (ये कम खर्चीले होते हैं) का प्रयोग कर सकते हैं। चित्र सं. 20 की ही तरह ड्राइंग बनाएं।

चित्र सं. 21

- आप कैनवास या तैल पेपर में उसी संयोजन को कर सकते हैं।

कदम - 1

- आप कैनवास या तैल पेपर में अपने स्केच की केवल बाहरी रेखा खींचिए।

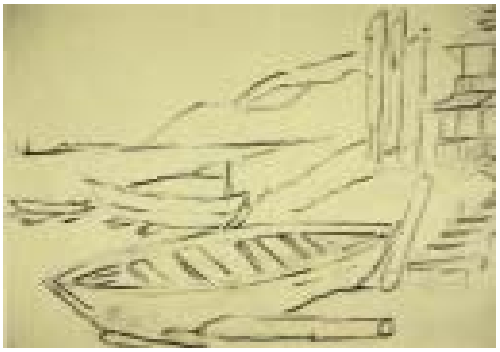

चित्र सं. 22

कदम-II

- खींचे गए क्षेत्रों को गहरे रंगों से भरें। तैल रंग जल रंग से अलग होते हैं। छाया वाले क्षेत्रों में गहरे रंगों से शुरू करें और फिर हल्की रंग–संगति (Tones) दें।

चित्र सं. 23

- विस्तार देने के लिए हल्की रंग–संगति दें। पहाड़, नावें, झाड़ियां, सीढ़ियां और भवनों में बहुत छाया वाले क्षेत्र होते हैं।

कदम - III

चित्र सं. 24

- सफेद और अन्य बहुत हल्के रंगों से अपनी पेंटिंग को अंतिम रूप दें।

कदम - IV

चित्र सं. 25

अभ्यास

1. मेज पर कुछ केलों को सजा कर रखें और पेंसिल से इन्हें चित्रित करें।
2. लंबे पत्तों वाले पौधों के गमले को लें। इनका ड्राइंग बनाने के बाद इनमें पोस्टर रंग भरें।
3. किसी पास के पार्क में जाएं। बड़े पेड़ों की एक पंक्ति को चुनें। इनकी वाह्य रेखा खींचें। परिद ष्टि को ध्यान में रखते हुए अब जल रंगों का प्रयोग करें।
4. किसी पहाड़ी स्टेशन या समुद्र के किनारे का फोटोग्राफ लें। पेंसिल से इसको वैसा ही चित्रित करने की कोशिश करें। रंगों के किसी भी माध्यम को चुनें और इसे पेंट करें।

लाइट हाउस (जल रंग)
— हुमार

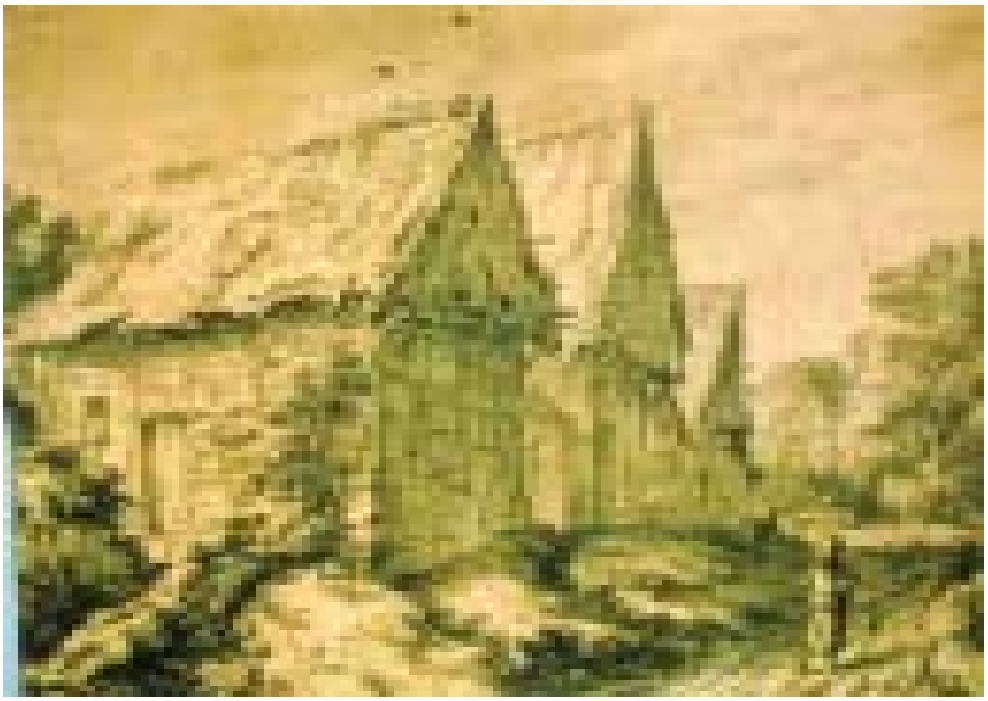

थ्री हाफ टिमबार हाउसेज़
— रूसडेल